707

दृष्टि The Vision

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-12

DTVF / OPT-24 **H-2412**

निर्धारित समयः तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंकः 250
Maximum Marks: 250

Name: AJAY KUMAR

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): Hindi

Reg. Number:

Center & Date: M.N. 707 20/08/2024

UPSC Roll No. (If allotted): 0835847

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।*

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

*प्रश्न संख्या 1 और 5 **अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के **उत्तर** दीजिये।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

खण्ड - क / SECTION - A

1. निम्नलिखित कथनों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) 10 × 5 = 50

Critically examine the following in 150 words each: 10 × 5 = 50

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(a) "भारत में अंग्रेज़ों द्वारा शुरू की गई शिक्षा नीति का उपयोग औपनिवेशिक शासन को बनाए रखने के लिये एक उपकरण के रूप में किया गया था।" समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।

"Education policy introduced by the British in India was used as a tool to perpetuate colonial rule." Critically analyse.

प्राच्यवादी व पाश्चात्यवादी विवाद के बाद भारत में मैकाले शिक्षा पद्धति लागू की गई। इस शिक्षा पद्धति ने लोगों के अंदर पश्चिमी चेतना की जागृति को जन्म दिया।

मैकाले का नीति लागू करते वक्त यही कथन था कि, "हम ऐसे भारतीय तैयार करना चाहते हैं जो रंगरूप से भारतीय व दिल दिमाग से ब्रिटिश हों।" इस शिक्षा नीति के लागू होने से निचले पदों के लिए ब्रिटिशों को सस्ते भारतीय कर्मी मिलने लगे।

इसके साथ ही एक ब्रिटिश समर्थक शिक्षित भारतीय मध्यवर्ग का भी उदय हुआ

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जो ब्रिटिशों का समर्थक था। उन्होंने पश्चिमी शिक्षा के विचारों से प्रेरित हो भारतीय समाज के रूपांतरण का प्रयास किया।

ब्रिटिश औद्योगिक पूंजीवाद के लिए नई बाजार निर्माण में भी इस शिक्षा नीति ने भूमिका निभाई वहीं ईसाई मिशनरी का काम भी आसान कर दिया। 1857 के विद्रोह में उन्होंने कृषकों का साथ नहीं दिया।

परंतु साथ-साथ पश्चिमी ज्ञान ने राष्ट्रवादी भावना को भी जन्म दिया। जब ब्रिटिश गवर्नर लिटन लिखता है, "ये शिक्षित ब्राह्मण अंग्रेजी शिक्षा पढ़ अंग्रेजों के खिलाफ ही लिख रहे हैं।" समाचार पत्रों के द्वारा दादा भाई नौरोजी, रानाडे ने राष्ट्रवादी चेतना वहीं राजा राममोहन राय ने समाज सुधार में बड़े प्रयोग किया।

अतः पश्चिमी शिक्षा के भारत के पक्ष में ज्यादा सकारात्मक परिणाम हुए जब शिक्षित लोगों ने राष्ट्रीय आंदोलन को नेतृत्व देना शुरू कर दिया।

(b) गांधी के मॉडल पर आधारित औद्योगीकरण भारत के लिये सबसे अधिक अनुकूल था।

Industrialization on the modal of Gandhi suited India the most.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1920 के दशक में राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ-साथ आर्थिक स्वतंत्रता का मुद्दा भी उठने लगा। इसमें भारत के आजादी के बाद विकास के एजेंडे पर चर्चा की जाती थी।

गांधीजी ने भारत के इतिहास से सबक लेते हुए ग्रामीण कुटीर उद्योगों पर फोकस किया। ब्रिटिश पूर्व भारत का रेशम, मलमल, हस्तकलाएं (वुट्ज स्टील) पूरी दुनिया में छाए हुए थे।

गांधी जी का विचार यही था कि ज्यादातर जनता अनपढ़ व ग्राम में निवास करती है जो इन हस्तकलाओं द्वारा ब्रिटिश सरकार का सामना व स्वतंत्र का विकास कर सकती है।

मशीनीकरण व आधुनिक विज्ञान पर उनके कड़े विचार थे क्योंकि वो इसे

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

क्योंकि मशीन विरोधी मानते थे। रेलवे जैसे उपकरणों को भारत की परतंत्रता का कारण मानते थे।

गांधीजी का मॉडल ग्राम विकास व कुटीर औद्योगीकरण पर टिका हुआ था परंतु इस मॉडल में समस्याएं थी। भारत की जनसंख्या व तात्कालीन विश्व प्रसारित औद्योगिक क्रांति का सामना करने के लिए इन छोटे उद्योगों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता था।

परिणाम यह हुआ कि 1938 की सुभाष चंद्र बोस द्वारा के नेहरू नेतृत्व में गठित समिति ने भी भारी उद्योगों को प्राथमिकता देने की बात की व आजादी के बाद पंचवर्षीय योजनाओं द्वारा आगे बढ़ा गया।

गांधीजी का मॉडल वस्तुतः ग्राम विकास के लिए उपयुक्त था, जिसे वर्तमान में MSME व नीति निर्देशक तत्वों में शामिल करके आगे बढ़ाया जा रहा है।

drishti | दृष्टि The Vision

(c) सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन भारतीय समाज में परिवर्तन लाने के लिये मुख्यत: पश्चिमी विचारधारा से प्रेरित थे।

Socio religious reform movements were subjected to bring changes in Indian society inspired by western ideology.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

18वीं सदी की शुरुआत में भारत में फैली रूढ़ियों के खिलाफ आवाज उठाई जाने लगी। राजाराम मोहन राय व ईश्वरचंद्र विद्यासागर जैसे नेताओं ने इस क्षेत्र में अहम भूमिका निभाई।

इन आंदोलनों की विचारधारा पर पश्चिमी प्रभाव था। क्योंकि राजा राम जैसे नेता भी पश्चिमी शिक्षा प्राप्त थे। पश्चिमी ज्ञान से पुनर्जागरण व प्रबोधन का जन्म हुआ जिसने समाज में ब्राह्मणवाद, जाति, महिलाओं का दमन, सती प्रथा आदि को ठुकरा दिया।

ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने जहां विधवा विवाह को बढ़ावा दिया व अश्विनी कुमार दत्त ने विज्ञान के आधार पर बाल विवाह की हानियां बताईं। वहीं राजा राम ने हिंदू धर्म में

रूढ़ियों को हटा ब्रह्म समाज स्थापना की। आगे आर्य समाज ने भी पश्चिमी धारणा पर । धर्म - । पुस्तक (भी वेद) का पालन किया व जाति व्यवस्था का विरोध किया।

परंतु पश्चिमी विचारधारा के साथ- साथ शिक्षा प्राप्ति से भारतीय लोगों ने भारतीय ग्रंथों का भी सहारा लिया साम्राज्यवादी इतिहासकारों द्वारा भारतीय संस्कृति का अपमान करने पर राष्ट्रवादियों ने पाया कि आज की रूढ़ियाँ ज्यादा पुरानी नहीं हैं। इन्होंने वैदिक काल में महिलाओं की आजादी। जाति व्यवस्था न होना व सती प्रथा की काट करने वाले उदाहरण दिये। इस तरह भारतीय संस्कृति की महानता व श्रेष्ठता को भी सिद्ध किया।

अतः समाज व धर्म सुधार आंदोलन ने पाश्चात्य व प्राच्य दोनों साधनों का प्रयोग कर भेद मिटाने व समाज को एकजुट करने के प्रयत्न किये।

(d) भारत परिषद अधिनियम 1909 संवैधानिक सुधारों की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम था, जिसने भारतीयों में राजनीतिक जागरूकता और सक्रियता को बढ़ावा दिया।

Government of India act 1909 marked a significant step towards constitutional reforms, stimulating political awareness and activism among Indians.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उदारवादी व उग्रवादी राजनीति के परिणामस्वरूप भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने राज पर दबाव बनाने की कोशिश की जिसके परिणाम के रूप में 1909 का भारत अधिनियम पेश किया गया।

इस अधिनियम के द्वारा पहली बार धार्मिक आधार राजनीतिक प्रतिनिधित्व देकर 'बांटो व राज करो' की नीति को बढ़ावा दिया गया। 'मुस्लिमों' को कांग्रेस की राजनीति से दूर करने के लिए यह किया गया।

अन्य सुधारों में निर्वाचित लोगों की संख्या का विस्तार किया गया व एक भारतीय सदस्य सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा को वायसराय की कार्यकारिणी में शामिल किया गया।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

परंतु इन सुधारों का भारतीयों द्वारा विरोध किया गया। ब्रिटिश राज का असली चेहरा उनकी विभाजनकारी नीति के रूप में सामने आया व भारतीयों की कम प्रतिनिधित्व देने व आत्मसम्मान की शक्ति समान रखने पर भी प्रतिरोध दर्ज कराया गया।

भारतीयों को यह ज्ञान हुआ कि राज भारत के शोषण के लिए उन्हें कुछ रियायतें देकर शांत करने की कोशिश कर रहा है। साथ में विभाजन से समाज में दंगों का प्रसार आदि का भी कारण यही है।

इस कानून के बाद क्रांतिकारी तत्वों का भारतीय राजनीति में आगमन हुआ जो हिंसक तरीकों से प्रतिरोध दर्ज कराते थे। इसके साथ ही होमरूललीग आंदोलन के द्वारा भी लोगों को नेतृत्व दिया गया।

अतः 1909 के अधिनियम के बाद भारतीय राजनीति में गतिशीलता का संचरण हुआ व निरंतर प्रतिरोध की राजनीति की धारणा का विकास हुआ।

drishti | दृष्टि The Vision

(e) वर्ष 1885 से 1947 तक भारत में स्वतंत्रता संग्राम पर भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस का प्रभाव।

The impact of the Indian National Congress on the freedom struggle in India from 1885 to 1947.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1885 बंबई में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना ने सभी वर्गों व आंदोलनों के लिए एक जरूरी संगठन का काम किया जिसने आजादी प्राप्ति तक अनेक आंदोलनों द्वारा लोगों का नेतृत्व किया।

गठन के बाद ही उदारवादी विचारधारा का जन्म हुआ जिसने सहयोग की नीति अपनाई व 1892 के कानून में कुछ रियायतें हासिल की। परंतु धरातल पर निम्न वर्गों की मांगें बढ़ने व उग्र तरीके से आवाज उठाने के लिए लाल - बाल - पाल की उग्रवादी नीति शुरू हुई।

1915 में गांधीजी के आगमन से कांग्रेस को पहली बार मजबूत नेतृत्व प्राप्त हुआ। गुटबाजी को समाप्त कर गांधीजी ने उग्रवादी व उदारवादी की समन्वयवादी राजनीति से असहयोग व सविनय अवज्ञा

drishti

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आंदोलन चलाते हुए जन जन तक कांग्रेस की विचारधारा का प्रसार किया।

कांग्रेस ने प्रांतीय चुनावों में भागीदारी द्वारा भी अपनी आवाज उठाई व 1929 के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वतंत्रता का लक्ष्य रखा। किसान नेताओं, जनजाति, समाजवादी सभी विचारधाराओं को अपने अंदर समायोजित किया।

परंतु 1937 ई० के चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनने के बाद लीग में अलगाव की भावना का प्रसार हुआ व अलग राष्ट्र की सिद्धांत पर कांग्रेस का विरोध किया, 1940 के दशक में कांग्रेस भारत छोड़ो आंदोलन, नेताओं का जेल जाना व मुस्लिम लीग के साथ कूटनीतिक आंदोलन चलाती रही।

अतः कांग्रेस के साथ समय-समय पर क्रांतिकारी आंदोलन जैसी विचारधाराओं ने भी भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को तेजी दी व आजादी के बाद राष्ट्र विकास में भी INC की भूमिका रही।

2. (a) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सविनय अवज्ञा आंदोलन को स्थगित करने के पीछे के कारकों की चर्चा कीजिये। 20

Discuss the factors that led to the suspension of the Civil Disobedience Movement during India's struggle for independence. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गांधीजी द्वारा नमक फॉर्मूला पर कार्य करते हुए दांडी मार्च के साथ सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत की। इस आंदोलन के द्वारा सरकारी नियमों व कानूनों का पालन रोक ब्रिटिश शासन को अवरुद्ध करने का प्रयास किया गया।

गांधी जी ने नमक कानून को तोड़ कर पूरे राष्ट्र को मजबूत संदेश दिया व आंदोलन का प्रसार असम, बिहार, मद्रास, बंबई सभी क्षेत्रों में फैला गया। इस आंदोलन में सभी वर्गों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया व पहली बार पूंजीपति वर्ग ने खुलकर राष्ट्रीय आंदोलन में भूमिका निभाई।

परंतु 2 वर्ष के संघर्ष के बाद इस आंदोलन को रोक दिया गया व

गांधी ~~और~~ इरविन पैक्ट के रूप में समझौता किया गया।

आंदोलन को रोकने का सर्वप्रथम कारण तो उसका लंबा खींचना था। क्योंकि जैसे-जैसे समय बीतता है तो लोगों का धैर्य टूटने लगता व प्रभाव कम होने लगता है।

दूसरा कारण गांधीजी को इरविन के समझौते द्वारा उनकी मांग कर हटाना, जब्त संपत्ति लौटाना जैसी मांगे मानना भी रही। आंदोलन द्वारा गांधीजी का मुख्य उद्देश्य सरकार पर दबाव बनाना होता था। जब सरकार ने गोलमेज सम्मेलन का प्रस्ताव रखा तो सरकार के सामने जाकर अपनी बात रखने के लिए भी आंदोलन को रोक दिया गया।

आंदोलन के स्थगन में एक प्रमुख

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इतिहासकार सुमित सरकार द्वारा भी दी जाती है। जिनका कहना है," सविनय अवज्ञा आंदोलन पूंजीपति वर्ग की मांग पर चलाया गया था व उन्हीं की मांग पर रोक दिया गया।"

इनके अनुसार ब्रिटिश सरकार द्वारा रु कमजोर करने व निर्यात पर रोक बढ़ाने से भारतीय पूंजीपति वर्ग को नुकसान हुआ तो वो अपने हितों के लिए आंदोलन में आए। परंतु आंदोलन लंबा होने व लगातार श्रमिक हड़तालें, कानून तोड़ना, उत्पादन गिरना आदि स्थिति ने उन पर नकारात्मक प्रभाव डाला व उन्होंने आंदोलन वापसी के लिए भारी दबाव डाला।

एक अन्य विचार बिपिन चंद्रा का है जो संघर्ष-विराम-संघर्ष की थ्योरी देते है। उनके अनुसार भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन संघर्ष व उसके बाद रुक कर दोबारा से ताकत जुटाकर फिर से संघर्ष

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पर चलता था। ऐसा ही असहयोग आंदोलन में भी देखा गया।

इसके अलावा अन्य कारणों में सरकार द्वारा निर्मम दमन व लोगों द्वारा हिंसक विरोध करना भी माना जा सकता है जो आगे बड़े संघर्ष में बदल सकता था।

इस प्रकार गांधी जी ने आंदोलन रोक सरकार से बातचीत कर समाधान की कोशिश की परंतु गोलमेज वार्ता में आजादी की बात न होने व भारत को जाति आधार पर बांटने के विचार के विरुद्ध गांधी जी ने वापिस लौटकर द्वितीय सविनय आंदोलन शुरू किया जो पहले जितना प्रभावी नहीं रहा।

drishti | दृष्टि The Vision

(b) भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में गांधीवादी आंदोलन के महत्त्व का विश्लेषण कीजिये। 15

Analyse the significance of the Gandhian movement in India's struggle for independence. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1915 में भारत वापसी के बाद गांधीजी ने भारत दर्शन कर पूरे देश की हालात को समझा व उसके बाद संघर्ष की नई राजनीति को जन्म दिया जो वास्तव में कारगर साबित हुई।

गांधीजी ने आंदोलन को लोगों से जुड़ाव व जमीनी स्तर पर विचारों के प्रसार का जरिया माना। इस कड़ी में सर्वप्रथम चंपारण में नील किसानों के लिए आंदोलन चलाया गया व उन्हें तीन कठिया पद्धति से मुक्ति दिलवाई। इसके साथ ही अहमदाबाद मिल में भी श्रमिक अधिकारों की आवाज उठाई।

इन आंदोलनों का प्रमुख महत्त्व सभी वर्गों को राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ना रहा। सभी एक अपने स्तर पर विरोध करने

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वाले किसान चंपारण के बाद राष्ट्रीय आंदोलन का हिस्सा बन गए। महिलाएँ जो घरों में कैद रहती थी। उन्हें देवी सीता जैसी आदर्शों व बहनत्व की विचारधारा के साथ आंदोलनों में आगे बढ़ाना।

अन्य प्रमुख महत्त्व कांग्रेस की विचारधारा को एकजुट करने में भी रहा। गांधी जी से पूर्व कांग्रेस उदारवाद, उग्रवाद, होमरूल आंदोलन आदि में बटी हुई थी। परंतु गांधी जी ने दोनों के विचारों को अपनाते हुए सत्य व अहिंसा के मार्ग के साथ एकता को कायम किया।

असहयोग आंदोलन में गांधीजी ने 2 प्रमुख समाज हिंदू व मुस्लिम की एकता के प्रयास किए। खिलाफत के मुद्दे के साथ आगे बढ़ते हुए गांधीजी ने न केवल धार्मिक सौहार्द की स्थापना की बल्कि भारत की आजादी के

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

के मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय बना दिया।

आगे सविनय अवज्ञा आंदोलन के द्वारा गांधी जी ने पूंजीपति वर्ग को साथ जोड़ा व नमक कर जैसा मुद्दा उठाया जो हर भारतीय से जुड़ा था।

गांधीवादी आंदोलनों ने लोगों में मजबूत ब्रिटिश शासन से बिना हथियार लड़ने की हिम्मत का विकास किया। लोगों के मन से क्रूर ब्रिटिश राज का भय बाहर निकाला।

सभी वर्गों किसानों, श्रमिकों, समाजवादियों को शामिल करते हुए स्वदेशीवाद की धारणा का विकास कर के आर्थिक महाशक्ति की कमर को तोड़ने का काम किया।

अतः गांधीवादी आंदोलन अपने अहिंसक सत्याग्रह के तरीके के कारण क्रूर दमन करने वाले राज के लिए सबसे बड़ी चुनौती बने व 'करो ~~या~~ या मरो' के उद्घोष के बाद भारत छोड़कर जाने को मजबूर हुए।

drishti | दृष्टि The Vision

(c) स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के भीतर गरमपंथियों के उदय में योगदान देने वाले कारकों की चर्चा कीजिये। 15

Discuss the factors that contributed to the rise of extremists within the Indian National Congress during the freedom struggle. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के साथ भारतीय लोगों व विभिन्न दलों को एक व्यापक संगठन की प्राप्ति हुई। परंतु इसमें भी जल्दी ही विचारधारा व तरीकों के नाम पर नेताओं का विभाजन हुआ।

गरमपंथी आंदोलन की शुरुआत में सबसे बड़ा कारण उदारवादी नीतियां थी। उदारवादी लोग सरकार से सहयोग द्वारा, पत्र लिखकर आदि माध्यमों से आवाज उठाते दूसरा, उदारवादी सम्भ्रांत अभिजात्य लोग थे जिनका कोई जनाधार भी नहीं था।

इन्हीं के प्रत्युत्तर में उग्रवादी नेताओं ने जनाधार निर्माण व बंगाल विभाजन आंदोलन, स्वशिक्षा, स्वराज, स्वदेशी आदि

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भावनाओं से विरोध दर्ज कराना।

उग्रवादियों के उदय में विदेशी घटनाओं का भी प्रभाव रहा। एक ओर अबिसीनिया के हाथों इटली की पराजय, रूस जैसी शक्ति की जापान से हार ने भारत में भी लोगों को प्रभावित किया व उनकी शक्ति पर सवाल उठाने लगे। अन्य प्रभाव रूसी निहलिस्टों व आयरिश आंदोलनों का भी रहा।

उग्रवादी उत्थान में एक कारण लॉर्ड कर्जन की प्रतिक्रियावादी नीतियाँ भी रही। उदारवादियों द्वारा निरंतर प्रयासों के बावजूद कर्जन द्वारा विश्व विद्यालय अधिनियम द्वारा बंदिशें बढ़ाई गई व राष्ट्रीय नेताओं के दमन की भी कोशिश बढ़ाई गई।

उदारवादी नीति का ही परिणाम था कि कांग्रेस बैठक को 'तीन दिन का

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

तमाशा' 'भिक्षावृत्ति की नीति' आदि की संज्ञा दी जाती थी।

उदारवादी लोगों की कोशिशों से 1892 के अधिनियम में कुछ ही लोगों के निर्वाचन को बढ़ावा दिया। इसके साथ ही धीरे - धीरे विद्रोह की बलवती होती आग को 1905 के बंगाल विभाजन ने बढ़ाया व स्पष्ट तौर पर उग्रवाद व उदारवाद का विवाद सामने आ गया।

उग्रवादी इस आंदोलन को पूरे भारत में उदारवादी केवल बंगाल में चलाना चाहते थे। निरंतर गतिरोध के कारण सूरत अधिवेशन 1907 में विभाजन हो गया।

अतः उग्रवादी विचारधारा ने आंदोलन की नींव संभाली परंतु ज्यादा सफलता न हासिल कर सकी, आगे गांधी जी के द्वारा ही दोनों विचारधाराओं के मिलन से आंदोलन को गति दी गई।

drishti | दृष्टि The Vision

3. (a) 1857 के विद्रोह की विफलता के तात्कालिक कारण क्या थे? चर्चा कीजिये। 20

What were the immediate causes of failure of revolt of 1857? Discuss. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लंबे समय से चली आ रही शोषणकारी नीतियों व लोगों के दमन को चर्बी वाली कारतूसों ने चिंगारी देने का काम किया व 1857 का आंदोलन हुआ जिसे V.D सावरकार द्वारा भारत के 'प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' की संज्ञा दी गई।

लगभग पूरे उत्तर भारत व दक्कन में महाराष्ट्र तक प्रसारित इस आंदोलन ने एक वर्ष से ज्यादा समय तक अंग्रेजी राज को प्रभावित रखा। गुरिल्ला युद्ध व पुराने नेताओं के नेतृत्व में इन कृषकों व सैनिकों ने दोबारा मुगलराज स्थापना के प्रयास किए। परंतु सरकार के निर्मम दमन व एकजुटता न होने

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

से यह आंदोलन बिखर गया।

आंदोलन की असफलता का सर्वप्रमुख कारण कोई संगठित स्थायी नेतृत्व की कमी होना रहा। ज्यादातर ने पुराने राजाओं व जमींदारों को अपना नेता मान स्वीकार किया। संशोधनवादी इतिहास में इन नेताओं पर लिखा है कि जनता दबाव में वे लीडर बने, स्वयं की प्रेरणा से नहीं।

आंदोलन विफलता की एक कारण दिल्ली के तरफ ज्यादा फोकस रहना भी रहा। एरिक स्टोक्स नामक विद्वान का कहना है कि जब तक दिल्ली पर विद्रोहियों का कब्जा रहा वे मजबूत रहे। परंतु दिल्ली के पतन के साथ ही ताश के पत्तों की तरह बिखर गए।

इन आंदोलनकारियों के पास कोई आधुनिक हथियार, निरंतर वित्त की आपूर्ति

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संचारों व सूचना का आदान प्रदान जैसे कोई उपाय नहीं थे। धन स्रोत के अभाव के कारण वे ज्यादा समय तक प्रतिरोध नहीं कर सकते थे।

असफलता का एक कारण मजबूत राजाओं द्वारा साथ न देना भी रहा। मध्यप्रदेश की सिंधिया रियासत व पटियाला के सिख राजा द्वारा ब्रिटिशों का साथ दिया गया जिसका परिणाम यह रहा कि अंग्रेज पुनर्जीवित हो उठे। जमींदारों को दिए गए लालच, जमीन वापसी आदि के कारण इन्होंने ब्रिटिश का साथ दिया जिस पर कैनिंग लिखता है कि जमींदारों ने हमारे लिए आपदा के बीच अवरोध के रूप में मदद की।

आंदोलनकारी किसी वैकल्पिक व्यवस्था का भी पालन नहीं कर रहे थे, भविष्य के लिए उनके पास कोई योजना नहीं थी। इसके साथ ही सरकार ने

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भय की नीति का प्रसार करते हुए खुलेआम बागियों को तोपों से उड़वाकर स्पष्ट संदेश दिया।

इन्हीं सब कारणों की वजह से 1857 का आंदोलन अंजाम तक नहीं पहुँच पाया। परंतु इस आंदोलन ने भविष्य के लिए एक मिसाल का काम किया व लोगों में ब्रिटिश शासन के खिलाफ राष्ट्रवादी भावना के प्रसार का कार्य किया।

(b) औपनिवेशिक काल के दौरान भारत में विऔद्योगीकरण के लिये उत्तरदायी प्रमुख कारकों का विश्लेषण कीजिये। 15

Analyse the major factors responsible for the deindustrialization in India during the colonial period. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

औपनिवेशिक काल में ब्रिटिश कंपनी द्वारा वाणिज्यवाद, औद्योगिक पूंजीवाद, व वित्तवाद की नीति अपनाई। इन सब के परिणाम स्वरूप भारत में विऔद्योगीकरण को जन्म दिया।

विऔद्योगीकरण से अभिप्राय जनता द्वारा विनिर्माण क्षेत्र को छोड़ कर वापिस कृषि की ओर पलायन करना है। अंग्रेजों के द्वारा एक समग्र नीति द्वारा इस पर काम किया गया। भारत का रेशम व सूती वस्त्र विश्वभर में प्रसिद्ध था। परंतु कंपनी ने भारत के बाजारों को अपनी फैक्टरी में तैयार माल से भर दिया।

भारत के हस्तकरघा व उद्योग में संलग्न लोगों पर दादनी प्रथा से शिकंजा कसा

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

से खरीद में एकाधिकार बना कर उन्हें बहुत कम कीमतें दी।

दूसरा हमला इस रूप में हुआ कि भारत से कच्चा माल जैसे कपास का ब्रिटेन को निर्यात किया जाने लगा व भारत को धागों का भी आयातक बना दिया।

इन सब का परिणाम यह हुआ कि हस्तकारी वाले लोगों शहरों को छोड़ गांव व जंगलों की ओर भाग गए व कृषक मजदूर बन गए।

परंतु औपनिवेशिक इतिहासकार मॉरिस डी. मॉरिस का मानना है कि भारत में पुराने उद्योगों का पतन प्राकृतिक था, क्योंकि ब्रिटेन में भी ऐसे ही मशीनीकरण से उद्योग पतन हुआ था। दूसरा हमारे द्वारा इतनी बड़ी जनसंख्या को उत्पादों की आपूर्ति सुनिश्चित की गई जो कि हस्त उद्योगों द्वारा संभव न थी।

परंतु राष्ट्रवादी इतिहासकारों द्वारा इन बातों को नकारा जाता है। उनका कहना है कि ब्रिटेन द्वारा भारत में उद्योगों को व्यवस्थित तरीके से खत्म किया गया व क्षतिपूर्ति के रूप में मशीनी उद्योगों की स्थापना भी नहीं की जैसा कि ब्रिटेन में किया गया।

वि औद्योगीकरण के कारण कृषि पर दबाव बढ़ा व गरीबी, भुखमरी, अकाल की समस्या का प्रसार हुआ।

अतः कंपनी द्वारा अपनी औद्योगिक नीति की सफलता भारतीय उद्योगों के बलिदान पर सुनिश्चित की गई। आजादी के बाद तीव्र औद्योगीकरण पर बल दिया गया परंतु आज भी उस काल के परिधीकरण के परिणाम जारी है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) औपनिवेशिक भारत में भारतीय आबादी के विभिन्न वर्गों पर भू-राजस्व बंदोबस्त के प्रभाव की चर्चा कीजिये। 15

Discuss the impact of land revenue settlements on various sections of Indian population in colonial India. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

औपनिवेशिक भारत में कंपनी के शासन की स्थापना के बाद दीवानी अधिकारों का प्रयोग हुए भूराजस्व व्यवस्था में नए नए प्रयोग किए गए। इन प्रयोगों ने विभिन्न वर्गों को सकारात्मक व नकारात्मक दोनों ही रूपों में प्रभावित किया।

कंपनी द्वारा बंगाल के क्षेत्र में स्थायी बंदोबस्त (19% क्षेत्र), दक्कन में रैयतवाड़ी (51%) वहीं पश्चिम भारत में महालवाड़ी व्यवस्था लागू की गई।

इन व्यवस्थाओं का प्रभाव जमींदार वर्ग पर सकारात्मक रहा। कंपनी ने जमीन का पंजीकरण किया व बंगाल में जमींदारों को मालिकाना हक दिया। परंतु

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कंपनी की उम्मीद थी गांवों का मुद्रीकरण होगा। जमीनों में लाभ के लिए सुधार किए जाएंगे। परंतु ऐसा कुछ न हुआ। इसके विपरीत कंपनी से ज्यादा लाभ जमींदारों को हुआ और वे नगरों की ओर पलायन कर गए।

कृषकों पर इन सभी व्यवस्थाओं में बुरा प्रभाव पड़ा। कृषक का शोषण स्थानीय तहसीलदार व कंपनी दोनों करती थी। रैयतवाड़ी व्यवस्था में 95% तक लगान लगा दिया गया। भूमि के मुद्रीकरण का एक परिणाम महाजनों का प्रवेश रहा। कर्ज जाल की शुरुआत ने इन महाजनों को जमींदार बना दिया। अनपढ़ किसान की शोषण का परिणाम यह हुआ कि कंपनी की मांग को पूरा करते करते वह किसान से मजदूर बन गया।

वहीं महाजनों को लाभ हुआ व वे गांवों में जमीनों के मालिक बने व पूंजी पर पूंजी कमाने में सफल हुए।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

एक अन्य परिणाम बंगाल क्षेत्र में जोतदारों का उदय होना रहा जो नीलाम जमीनों को खरीदते थे। महालवाड़ी व्यवस्था में कई किसान समूह थे जो कुछ मोल भाव की हिम्मत रखते थे। इस व्यवस्था में भी किसानों का शोषण व जमीन बिक्री हुई परंतु महालों का विकास हुआ जो आजादी बाद हरित क्रांति की सफलता का कारण बने।

ब्रिटिश कंपनी को नियत: राजस्व की प्राप्ति हुई व उनका दायित्व भी जमींदार जैसी व्यवस्था लागू करने से कम हुआ।

अत: राजस्व व्यवस्था ने किसानों पर बुरा प्रभाव डाला। परिणाम में हमें नील विद्रोह (1859), दक्कन विद्रोह (1875) व तेभागा आंदोलन आदि मिले। कृषि क्षेत्र में लाभ की होड़ कर ये नीतियां ज्यादातर शोषणकारी ही थी।

drishti | दृष्टि The Vision

4. (a) औपनिवेशिक भारत में अकाल के कारणों और परिणामों का विश्लेषण कीजिये। 20

Analyse the causes and the consequences of the Famines in colonial India. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) 18वीं शताब्दी के दौरान भारत में फ्राँसीसी महत्त्वाकांक्षा को आकार देने में डूप्ले की भूमिका का विश्लेषण कीजिये। 15

Analyse the role of the Dupleix in shaping French ambition in India during the 18th century. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) असहयोग आंदोलन को उत्प्रेरित करने में रॉलेट एक्ट और जलियाँवाला बाग हत्याकांड की भूमिका पर चर्चा कीजिये। गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन की विचारधारा की व्युत्पत्ति के बारे में भी चर्चा कीजिये। 15

Discuss the role of the Rowlatt Act and the Jallianwala Bagh massacre in catalyzing the Non-cooperation movement. Also discussed about Gandhi's derivation of ideology of Non-cooperation movement. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खण्ड - ख / SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

5. निम्नलिखित कथनों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) 10 × 5 = 50

Critically examine the following in 150 words each: 10 × 5 = 50

(a) अमेरिकी संविधान कुछ और नहीं बल्कि अंग्रेज़ी विधानों और परंपराओं का अंतिम परिणाम था।

American Constitution was nothing but an ultimate culmination of English laws and conventions.

1776 में अमेरिकी क्रांति के बाद USA में संवैधानिक गणतंत्र की स्थापना की गई। संविधान के लिखित स्वरूप के साथ विश्व के प्रथम लोकतंत्र का गठन हुआ।

USA के संविधान में ब्रिटिश विचारधारा का प्रभाव था। USA में ज्यादातर लोग भी पैतृक रूप से ब्रिटिश ही थे। इसलिए वहाँ की राजनीतिक व्यवस्था, कानून प्रणालियों व न्यायपालिका व्यवस्था का अनुकरण किया गया।

USA के संविधान के संसदीय व्यवस्था, व अधिकारों की व्यवस्था की कुछ अंशों पर भी ब्रिटिश संविधान का असर है।

परंतु USA के संविधान में

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

निरंतरता की बजाय परिवर्तन के तत्व ज्यादा मौजूद हैं।

USA द्वारा लिखित स्वरूप बनाना। जो कि इंग्लैंड में नहीं है। संसदीय व्यवस्था ब्रिटेन में सर्वोच्च है। परन्तु USA में संसद सर्वोच्च नहीं बल्कि कानून का शासन है।

USA के संविधान में विस्तारपूर्वक मौलिक अधिकारों को शामिल करना, सभी राज्यों को सीनेट में बराबर अधिकार देना। राजतंत्र की बजाय। अध्यक्षीय लोकतंत्र की स्थापना करना उसे UK के संविधान से अलग बनाता है।

संसद में महाभियोग, न्यायिक समीक्षा, न्यायिक सक्रियता जैसे तत्व भी USA के नवाचार हैं।

अतः USA का संविधान संघीय व्यवस्था की मजबूती पर टिका है जिसने आगे आने वाले संविधानों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रेरणा दी।

drishti | दृष्टि The Vision

(b) औद्योगिक क्रांति सभी ब्रिटिश समस्याओं का समाधान थी।

Industrial Revolution was the answer to all the British problems.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1750 के दशक के साथ ब्रिटेन में औद्योगिक क्रांति का जन्म माना जाता है। इस क्रांति ने लोगों के जीवन को सरल बनाने का कार्य किया।

औद्योगिक क्रांति के कारण लोगों के जीवन में तेजी आई। बेरोजगार घूम रही जनता को रोजगार मिला व प्रवासन के कारण शहरीकरण को बढ़ावा मिला।

समाज में एक मध्यवर्ग का उदय हुआ व पूंजी के आगमन से इन लोगों के जीवन स्तर में भी सुधार आया। एक राष्ट्र के तौर पर भी ब्रिटेन का आर्थिक विकास हुआ व तैयार माल को उपनिवेशों में बेचकर भरपूर लाभ कमाया।

परंतु इस क्रांति के साथ सफलता के साथ ही कुछ असफल परिणाम भी

सामने आए। ब्रिटेन का विकास जरूर हुआ व लोगों के जीवन में स्थायित्व भी आया परंतु समाज में वर्गीय विभाजन पूंजीपति व श्रमिक वर्ग का उदय भी हुआ।

जीवनस्तर पर भी श्रमिकों के जीवन में अनेक समस्याएं भी रहीं भी खराब दशाएं। परिवार से दूरी व सबसे बड़ा दुष्प्रभाव पर्यावरण में कोयले की राख के प्रसार का रहा।

ओलिवर ट्विस्ट व हार्ड टाइम्स में चार्ल्स डिकेन्स के द्वारा शहरीकरण के दुष्परिणाम व श्रमिकों के जीवन में विलासिता, नैतिक पतन, महिला जीवन उत्थान, विकृत शहरीकरण आदि परिणाम दिखाए गए।

अतः औद्योगिक क्रांति के अनेक सकारात्मक परिणाम आए परंतु हानिकारक प्रभावों के जन्म के कारण ये दोधारी तलवार साबित हुई।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(c) जर्मन एकीकरण 'रक्त और लोहे' के बजाय 'कोयला और लोहे' के माध्यम से प्राप्त किया गया था।

German unification was achieved through 'coal and iron' rather than 'blood and iron.'

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1830 के दशक के साथ यूरोप में उदारवाद व राष्ट्रवाद की भावना का प्रसार हुआ। इसी के परिणाम स्वरूप में राष्ट्र राज्य निर्माण इटली व जर्मनी का एकीकरण जैसे बदलाव सामने आए।

जर्मनी का एकीकरण प्रशा के नेतृत्व में बिस्मार्क द्वारा किया गया। बिस्मार्क ने 1848 के प्रयास असफल होने पर ऑस्ट्रिया को सबसे बड़ी बाधा के रूप में पाया। उसने तय किया जो जर्मनी के एकीकरण में पड़ी गांठ को वह काट डालेगा व इसके लिए उसने औद्योगीकरण व सैन्यीकरण पर बल दिया।

औद्योगीकरण में रेलवे, डाक आदि जुड़ाव के साधनों के बाद बिस्मार्क ने पहली कूटनीतिक चाल डेनमार्क के खिलाफ

ऑस्ट्रिया के साथ होल्स्टीन व श्लेसविग के बंटवारे के साथ उसने ऑस्ट्रिया से युद्ध की नींव रख दी। श्लेसविग की जर्मन जनता के मुद्दे पर 1866 में सेडोवा के युद्ध में ऑस्ट्रिया को पराजित किया।

ऑस्ट्रिया की हार में फ्रांस को अपनी कूटनीतिक हार महसूस हुई। इसके लिए उसके द्वारा निरंतर विरोध जताया गया। बिस्मार्क युद्ध में शत्रु को अकेला करने की नीति पर काम करता था व 1871 के सेडोवा के युद्ध में फ्रांस को भी पराजित कर एकीकरण पूर्ण किया।

परंतु ब्रिटिश अर्थशास्त्री जेम्स कीन्स इस एकीकरण को रक्त व लोहे की बजाय लोहे व कोयले का परिणाम मानता है क्योंकि मात्र 30 वर्ष में जर्मनी द्वारा ब्रिटेन के 100 वर्ष के बराबर सफलता पाई गई।

अतः जर्मनी के एकीकरण ने यूरोप में गुटबाजी व संधियों की नीति को जन्म दिया जो आगे प्रथम विश्वयुद्ध के रूप में परिणामित हुई।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(d) वाइमर गणराज्य अक्षमताओं से ग्रस्त था और किसी भी सुधार को लागू करने के लिये एक बहुत कमज़ोर निकाय था।

Weimar Republic was plagued with incompetencies and was too weak a body to carry out any reform.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1919 की वर्साय की संधि पर हस्ताक्षर करने करने के लिए जर्मनी में वाइमर गणतंत्र की स्थापना की गई। परंतु यह निरंतर असफलता की ओर ही अग्रसर रहा।

वाइमर गणतंत्र के साथ सबसे बड़ी समस्या उसके द्वारा जर्मनी के गौरव को खोने का आरोप लगना रहा। जर्मनी की राष्ट्रवादी भावना को चोट पहुंची थी जिसने कभी भी वाइमर शासन को स्वीकार नहीं किया।

दूसरी समस्या वाइमर गणतंत्र के समक्ष युद्ध कालीन मंदी व जर्मनी पर बोझ के कारण यह कुछ न कर पाया। जर्मनी की 13% भूमि 13% संसाधन छीन लिए गए व असैन्यीकरण कर दिया। जिसके

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वाइमर गणतंत्र कर्जों को उतारने में ही व्यस्त रहा।

वाइमर गणतंत्र के गठन में बहुमत की नीति का पालन भी इसकी असफलता का कारण बना। क्योंकि कभी भी किसी फैसले पर एकमत न बन पाने के कारण यह असफल रहा।

वाइमर गणतंत्र की एक समस्या संविधान की धारा 48 भी रही। इसके कारण अधिनायकवादी शासन की स्थापना हुई व हिटलर द्वारा इस शक्ति का दुरुपयोग किया गया।

अतः वाइमर ~~गण~~ गणतंत्र के सामने अनेक समस्याएं थी परिणामतः देश में बेरोजगारी, असंतोष बढ़ा था। ऐसे समय पर हिटलर का जन्म हुआ जिसने जर्मनी के गौरव को लौटाने के वादे पर शासन पर कब्जा किया गया।

(e) द्वितीय विश्व युद्ध का वैश्विक शांति और स्थिरता पर बहुआयामी प्रभाव पड़ा।

The second world war had a multidimensional impact on global peace and stability.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सन् 1945 ई० में जापान पर परमाणु हमले के साथ टोटल वार की समाप्ति हुई। परंतु इस युद्ध के भयानक परिणामों ने लोगों को एक नयी शांति की व्यवस्था की ओर जाने के लिए प्रेरित किया।

परमाणु हमले के दुष्परिणाम व युद्ध के कारण हुई क्षति के संबंध लेकर एक ऐसी व्यवस्था की मांग रखी गई जो भविष्य में ऐसी तबाही की पुनरावृत्ति न होने दे। इसी के परिणाम स्वरूप UNO की स्थापना हुई जो आज तक अपने लक्ष्य में सफल माना जा सकता है।

द्वितीय विश्वयुद्ध का एक परिणाम विश्व में मानवाधिकारों की मांग व उपनिवेशों की आजादी का मुद्दा भी रहा। 1948

drishti | दृष्टि The Vision

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार संधि स्थापना की वहीं संयुक्त राष्ट्र व USA के द्वारा उपनिवेशों की आजादी की बात की।

गुटनिरपेक्ष आंदोलन के रूप में शांति दूत के रूप में चर्चिल देश आगे आए व विकासशील देशों में शांति व विकास का मुद्दा उठाया।

परंतु शांति व स्थिरता के साथ-साथ एक स्नायु युद्ध की भी शुरुआत हुई जिसे शीत युद्ध कहा गया। शीत युद्ध में दो विचारधाराओं का टकराव हुआ व क्यूबा संकट जैसी घटनाओं ने पूरे विश्व को अस्थिरता व अशांति की ओर ले जाने का काम किया।

परंतु द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद एक वैश्विक व्यवस्था की स्थापना हुई व सामरिक मोर्चे की बजाय आर्थिक युद्ध शुरू हुए, आम जनजीवन की शांति के द्वेषाटा के रूप में द्वितीय विश्वयुद्ध महत्वपूर्ण रहा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

6. (a) सामाजिक असमानताओं और अन्याय को संबोधित करने में ज्ञानोदय के आदर्शों की सीमाओं पर चर्चा कीजिये। 20

Discuss the limitations of the Enlightenment ideals in addressing social inequalities and injustices. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रबोधन का काल पुनर्जागरण के काल के बाद शुरु होता है। लंबे अंधकार के काल में फैली सामंतवादी तत्वों व बाह्य आडंबरों के प्रतिरोध में प्रबोधन में स्वच्छंदतावादी जीवन की कल्पना का विकास हुआ।

ज्ञानोदय के प्रमुख आदर्शों में मानवतावाद, व्यक्तिवाद, वैज्ञानिक जीवन, परलोक की बजाय इहलोक में जीवन जीना, धर्म के आडंबरों से मुक्ति, मानवाधिकार आदि तत्वों को शामिल किया गया है।

सामाजिक समानता के क्षेत्र में ज्ञानोदय का काल सभी जीवों की समानता व स्वतंत्र जीवन की बात करता है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

रूसो कहता है कि मनुष्य स्वतंत्र पैदा होता है परंतु हर जगह जंजीरों में जकड़ा हुआ है।

परंतु प्रबोधन ने सभी लोगों की समानता के आदर्श की बात नहीं की। सर्वप्रथम महिलाओं की समानता का कोई मुद्दा नहीं उठाया गया। समाज के अभिजात्य वर्ग के अधिकारों की बात करते हुए निम्न वर्ग के अधिकारों को गौण कर दिया गया।

वाल्टेयर के बारे में कहा जाता है कि जब वह प्रबोधन पर विचार रखता था तो अपने नौकरों को बाहर भेज देता था। दासता प्रणाली पर भी प्रबोधन के विचारों का असर न था। उपनिवेशों में जाकर शोषणकारी नीतियों का पालन करके सामाजिक अन्याय किया गया, इस तरह सामाजिक क्षेत्र में प्रबोधन की कई तरह की सीमाएँ रहीं।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इसके साथ प्रबोधन के द्वारा केवल आदर्शवादी बातों का बखान किया गया। रूसो के द्वारा जनरल विल, स्वतंत्रता, लोकतंत्र आदि की बात की गई है वहीं काटे ने शक्तियों के पृथक्करण, राजनीतिक विशेषाधिकारों का विरोध किया गया।

परंतु असल में इन आदर्शों के द्वारा न्याय की स्थापना नहीं की जा सकी। रोबेस्पियर, हिटलर जैसे लोगों ने रूसो के विचारों का दुरुपयोग कर जमकर अन्याय को बढ़ावा दिया गया वहीं राजतंत्रों में भी विशेषाधिकारों का त्याग नहीं किया गया।

अतः प्रबोधन के काल की अनेक सीमाएं रही जो आम जन जीवन सुधार में अपना योगदान नहीं दे पाई। आगे क्रांतियों के द्वारा लोगों द्वारा मांग उठाकर ही

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अन्याय का विरोध किया गया व सामाजिक समानता हासिल की गयी

(b) अमेरिकी गृह युद्ध के मूल कारण के रूप में दासता की भूमिका का विश्लेषण कीजिये। उत्तर और दक्षिण के बीच भिन्न आर्थिक हितों ने संघर्ष में किस प्रकार योगदान दिया? 15

Analyse the role of slavery as a fundamental cause of the American Civil War. How did differing economic interests between the North and South contribute to the conflict? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1776 ई० में अमेरिकी क्रांति के बाद अमेरिका में राज्यों में दासता के मुद्दे का उत्थान हुआ। जिसे अमेरिका के संघ की शल्यचिकित्सा के रूप में जाना जाता है।

दासता का मुद्दा दक्षिणी राज्यों के लिए बहुत महत्वपूर्ण था। उत्तरी राज्यों में औद्योगीकरण, मशीनीकरण, सड़क निर्माण व रेलवे के कारण श्रमिक मांग में कमी व पूंजीपति व्यवस्था की स्थापना हो चुकी थी। वहीं दक्षिणी राज्य बागानी प्रणाली पर टिके थे जहां दासों की व्यवस्था जारी थी।

दास व्यवस्था के साथ आर्थिक व सामाजिक कारण भी थे। दक्षिणी राज्य

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विकास में पिछड़ गए। दास अवस्था के लोगों के लिए मानवाधिकार, संवैधानिक अधिकारों की व्यवस्था नहीं की गई थी।

इन सबका परिणाम यह हुआ कि दक्षिणी राज्य आर्थिक क्षेत्र में पिछड़ते चले गए। नीति निर्माण में उनकी भागीदारी व पूंजीपति वर्ग की अनुपस्थिति के कारण सामाजिक अवसंरचना का भी विकास नहीं हुआ था।

दासता के प्रश्न पर विवाद तब और ज्यादा बढ़ गया जब नए राज्यों के स्वतंत्र राज्य व दास के राज्यों में मिलन का मुद्दा उठा।

मिसौरी समझौते के साथ एक व्यवस्था का निर्माण किया गया। परंतु वह व्यवस्था कैलिफोर्निया जैसे राज्य के मिलाने पर टूट गई। उत्तरी राज्यों ने अपने प्रभाव से इस अमीर राज्य को

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

को स्वेच्छ में शामिल कर लिया। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट का फैसला :"दासों के कोई अधिकार नहीं है", भगोड़ा अधिनियम का लागू करना आदि ने भी विपरीत परिस्थिति का निर्माण किया।

इन सब के कारण जॉन ब्राउन नाम के व्यक्ति के नेतृत्व में दासों ने विद्रोह कर दिया व स्वेच्छ को संघ से अलग घोषित कर दिया।

इसी समय अब्राहम लिंकन राष्ट्रपति बने व उन्होंने संघ को बचाने का प्राथमिक लक्ष्य रखा व दास प्रथा की समाप्ति की घोषणा की।

अतः दासता व्यवस्था आर्थिक पिछड़ेपन पर टिकी हुई थी, परंतु संवैधानिक अधिकार से इसके जुड़ाव ने इसे गृहयुद्ध का कारण बनाने में अहम भूमिका निभाई।

drishti | दृष्टि The Vision

(c) वर्ष 1789 में फ्राँसीसी क्रांति के प्रसार में योगदान देने वाले सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारकों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। क्रांतिकारी भावनाओं को उत्प्रेरित करने में इन कारकों ने किस प्रकार परस्पर संबद्धता को प्रदर्शित किया। 15

Critically analyze the social, economic, and political factors that contributed to the outbreak of the French Revolution in 1789. How did these factors interconnect to fuel revolutionary sentiments? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बास्तील के किले के पतन के साथ ही फ्रांस की क्रांति की शुरुआत हुई। फ्रांस की क्रांति ने पूरे विश्व में समानता, स्वतंत्रता व बंधुता जैसे मूल्यों के प्रसार करने में अहम भूमिका निभाई।

फ्रांसीसी क्रांति में सामाजिक कारकों में मुख्यतः समाज का तीन एस्टेटों में विभाजन था। प्रथम व दो एस्टेट में कुलीन व पादरी वर्ग का प्रभुत्व था जिनके पास संपत्ति बहुत थी। परंतु कर जैसी कोई भी जिम्मेदारी नहीं थी। कृषकों की हालत खराब थी व मध्यवर्गी करों के बोझ में दबा हुआ था।

क्रांति के उत्थान में आर्थिक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कारणों में भी भूमिका निभाई जिसमें खाने की कमी। गरीबी आदि थे। खाने की कमी पर मैरी एंटोइनत की टिप्पणी, "लोगों के पास ब्रेड नहीं है तो उन्हें केक खाना चाहिए" ने लोगों को गुस्से को भड़काने का काम किया।

क्रांति के राजनीतिक कारणों में सबसे प्रमुख यह था कि राष्ट्र के किसी भी फैसले में तीन स्टेटों के बहुमत से फैसले लिए न जाते थे। प्रथम दो स्टेट की मिलीभगत के कारण तीसरा वर्ग हमेशा शोषण का शिकार बनता था। वहीं राजतंत्र के विलासी जीवन ने भी राष्ट्र की आर्थिक हालात को खराब कर रखा था। संसद की बैठक का लगभग 175 वर्षों से न बुलाए जाने के कारण व्यवस्था को जंग लग चुकी थी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

क्रांतिकारी विचारों ने भी क्रांति की अहम भूमिका निभाई, रूसो, वाल्टेयर जैसे दार्शनिकों से प्रभावित होकर लोगों ने वर्साय के महल पर कब्जा कर के राजा को बंदी बना लिया।

लोगों ने एक जुट तरीके से क्रांतिकारी भावना से आंदोलनों को सन्चालन कर के शासन को झुकाने का काम किया।

इन सभी के परिणाम स्वरूप स्वतंत्र का अंत हुआ व सामंतवाद जैसी व्यवस्था को खत्म कर के संवैधानिक व्यवस्था की नींव रखी गई जिसमें तीसरा स्टेट यानी मध्यमवर्ग का प्रभुत्व था।

अतः क्रांति धीरे-धीरे अराजक तत्वों के कारण लंबे संघर्ष का कारण बनी व अंततः नेपोलियन के आगमन के साथ व्यवस्था में कुछ स्थायित्व आया।

drishti | दृष्टि The Vision

7. (a) वर्तमान में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिये। 20

Discuss the relevance of Non-Aligned Movement at present. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) आप सम्पूर्ण युद्ध की अवधारणा से क्या समझते हैं? पूर्ण युद्ध की विशेषताओं पर भी चर्चा कीजिये। 15

What do you understand by the concept of Total war? Also discuss the characteristic features of the total war. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) वर्ष 1991 में सोवियत संघ के विघटन में योगदान देने वाले आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक कारकों का विश्लेषण कीजिये। गोर्बाचेव की नीतियों ने इस प्रक्रिया को कैसे प्रभावित किया? 15

Analyze the economic, political, and social factors that contributed to the disintegration of the Soviet Union in 1991. How did Gorbachev's policies influence this process? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. (a) चार्टिस्ट आंदोलन असफल क्यों हुआ? 20

Why did the Chartist movements fail? 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) रूसी इतिहास में बोल्शेविक क्रांति के महत्त्व पर चर्चा कीजिये। 15

Discuss the significance of the Bolshevik Revolution on the course of Russian history. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) विऔपनिवेशीकरण (1776.1993) के बारे में आप क्या समझते हैं? विऔपनिवेशीकरण के कारणों पर चर्चा कीजिये। 15

What do you understand by Decolonization (1776-1993)? Discuss the causes of decolonization. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

drishti | दृष्टि The Vision

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)